

SADHGURU JAGADISH VASUDEV

Sadhguru Jagadish Vasudev is a yogi, mystic, visionary and the founder of Isha Foundation, a non-profit human-service organization, supported by over seven million volunteers in over 250 centers worldwide.

2. Born on September 03, 1957, Sadhguru Jagadish Vasudev presents yoga — the core of India's spiritual strength and its gift to the world as an innerscience. Devised by Sadhguru Jagadish Vasudev, Inner Engineering or Isha Yoga has made a dimensional shift in how people address their wellbeing. Because of its scientific approach, Inner Engineering has garnered international appeal and acceptance from leading corporations, Universities, and global forums like Google, General Electric, the World Bank, etc. Over 100 million people have been touched by Isha Yoga or Inner Engineering till date.

3. Under Sadhguru's leadership, Isha Foundation has also shaped many pioneering and large-scale social initiatives like quality education for the poor, holistic health solutions, environmental stewardship, and bringing about rural rejuvenation through sports. This approach has gained worldwide recognition and reflects in Isha Foundation's special consultative status with the Economic and Social Council of the United Nations.

4. Isha Vidhya, a rural educational outreach initiative started by Sadhguru, has transformed the lives of over 100,000 children and Isha's government school adoption program has been spectacularly successful. Inspired by Sadhguru's environmental movement Project Green Hands, the people of Tamil Nadu have planted over 3 crore trees for which he was honoured with the Indira Gandhi Paryavaran Puraskar — India's highest environmental award for the year 2008. In October 2006, 256289 volunteers planted 852587 saplings in 6284 locations across 27 districts in Tamil Nadu setting a Guinness World Record in the process. Project Green Hands (PGH) has also been awarded the State Environment award in 2012 by the Ministry of Environment and Forests, Tamil Nadu for the best organization working in this field. In 2010, this organisation was awarded the Beyond Sports Award for using sports as a medium to impact community. From among 438 entries worldwide PGH won the award under the environment category.

5. Sadhguru Vasudev, a sport enthusiast has inspired millions of people in Tamil Nadu to take up sport. lsha Gramotsavam is an effort to revive the rural spirit through sports and community building — breaking through divisions of caste, creed and economic status, and helping people leave behind destructive addictions to drugs and alcohol. In Isha Gramotsavam 2016, 10,360 players, 880 teams, 4600 villages, from across rural Tamil Nadu participated in state-wide volleyball and throwball matches.

6. Sadhguru Vasudev has been a delegate to the United Nations World Headquarters as the primary speaker on International Day of Yoga in 2016, addressed the Indian Economic Summit and has been a regular speaker at the World Economic Forum in Davos. Further, some of the most renowned education institutes and universities across the world including Oxford, Stanford, Harvard, Yale, Wharton, MIT, etc. have hosted Sadhguru's talks. Sadhguru's areas of active involvement encompass fields as diverse as architecture and visual design, poetry and painting, ecology and horticulture, sports, music, aviation, and he exudes an indiscriminate passion for all aspects of life.

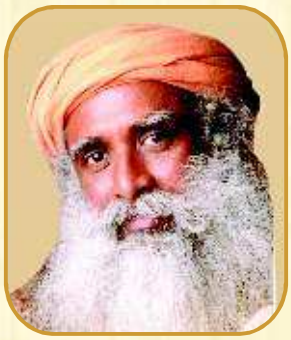

सद्गुरू जगदीश वासुदेव

सद्गुरू जगदीश वासुदेव एक योगी, रहस्यवादी संत, दूरदृष्टा और मानव सेवा संगठन-ईशा फाउंडेशन के संस्थापक हैं और आपको विश्वभर में 250 से अधिक केन्द्रों से जुड़े सात मिलियन से अधिक स्वयंसेवकों का सहयोग प्राप्त है।

2. आपका जन्म 03 सितंबर, 1957 को हुआ था और आपने आत्म विज्ञान के रूप में भारत की आध्यात्मिक शक्ति और इसके योगदान का पूरे विश्व के लिए प्रतिनिधित्व किया। आपकी साधना रूपी योगक्रिया से अभ्यन्तर विनिर्माण (इनर इंजीनियरिंग) अथवा ईशा योग ने इस प्रकार के बहु आयामी बदलाव को साकार किया कि किस प्रकार लोग अपनी बेहतरी और आध्यात्मिक उन्नति के लिए स्वयं कुछ कर सकते हैं। इनर इंजीनियरिंग ने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के कारण अंतरराष्ट्रीय जनचेतना को पोषित किया और उसे अग्रणी कॉरपोरेशनों, विश्वविद्यालयों और गूगल, जनरल इलेक्ट्रिक, विश्व बैंक आदि जैसे वैश्विक संगठनों और मंचों से स्वीकृति मिली। ईशा योग अथवा इनर इंजीनियरिंग के द्वारा अब तक 100 मिलियन से अधिक लोगों को प्रेरणा मिली है।

3. आपके मार्गदर्शन में ईशा फांउडेशन ने गरीब बच्चों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, व्यापक स्वास्थ्य समाधान, पर्यावरणीय प्रबंधन और खेलकूद के जरिए ग्रामीण पुनरूद्धार को फलीभूत करने जैसी उत्कृष्ट और बड़े पैमाने पर चलायी जाने वाली सामाजिक पहलों को साकार किया। आपके इस दृष्टिकोण को वैश्विक पहचान मिली और यह संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक काउंसिल के साथ ईशा फाउंडेशन की सामाजिक परामर्शी स्थिति से परिलक्षित होता है।

4. आपके द्वारा संचालित ग्रामीण शैक्षिक पहुंच की पहल- ईशा विद्या से 1,00,000 से अधिक बच्चों के जीवन में अलौकिक बदलाव आया है और ईशा के सरकारी विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम को अपार सफलता मिली है। आपकी पर्यावरणीय अभियान परियोजना-ग्रीन हैंड से प्रेरित होकर तमिलनाडु के लोगों ने 3 करोड़ से ज्यादा वृक्षों का पौधरोपण किया और इसके लिए आपको वर्ष 2008 के लिए भारत के सर्वोच्च पर्यावरणीय पुरस्कार – ''इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार'' से सम्मानित किया। अक्तूबर, 2006 में, 256289 स्वयंसेवकों द्वारा तमिलनाडु के 27 जिलों में लगभग 6284 स्थानों पर 852587 पौधों का रोपण किया गया जो गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाने के चरण पर है। प्रोजेक्ट ग्रीन हैंड (पीजीएच) को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, तमिलनाडु द्वारा वर्ष 2012 में इस क्षेत्र में कार्यरत सर्वोत्तम संगठन के लिए राज्य पर्यावरण पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2010 में, इस संगठन को समुदाय पर प्रभाव डालने वाले माध्यम के रूप में खेलकूद को उपयोग में लाने के लिए "बियॉण्ड स्पोर्ट अवार्ड" से अलंकृत किया गया। विश्व भर से प्राप्त 438 प्रविष्टियों में से पीजीएच को पर्यावरणीय वर्ग के तहत पुरस्कार प्राप्त हुआ।

5. खेलकूद को प्रोत्साहित करने वाले प्रेरणास्रोत के रूप में आपने तमिलनाडु के लाखों लोगों को खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। ईशा ग्रामोत्सव कार्यक्रम खेलकूद के जरिए जाति, नस्ल और आर्थिक स्तर के विभाजनों की सीमा को तोड़कर, ग्रामीण भावनाओं का पुनरूद्धार करने और सामुदायिक क्षमता संवर्धन करने का एक अनूठा प्रयास है। ईशा ग्रामोत्सव, 2016 में तमिलनाडु के संपूर्ण इलाकों से 10,360 खिलाड़ियों, 880 दलों, 4600 गांवों ने राज्य स्तरीय वॉलीबाल और थ्रो-बॉल मैचों में भाग लिया।

6. आपको वर्ष 2016 में इंटरनेशनल योग दिवस पर एक प्रमुख प्रवक्ता के रूप में बोलने के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व मुख्यालय में शिष्टमंडल के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है। आपको भारतीय आर्थिक शिखर सम्मेलन में बोलने के लिए भी बुलाया गया और आप देवास में विश्व आर्थिक मंच के नियमित प्रवक्ता रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आक्सफोर्ड, स्टेनफोर्ड, हार्वर्ड, येल, हवार्टन, एमआईटी जैसी पूरे विश्व की अत्यधिक लब्धप्रतिष्ठ शैक्षिक संस्थाओं और विश्वविद्यालयों ने आपके विचार सुनने के लिए आपको आमंत्रित किया है। आपके सक्रिय योगदान वाले क्षेत्रों में वास्तुशिल्प, दृश्य चित्रण, कविता एवं पेंटिंग, पारिस्थितिकी, बागवानी, खेलकूद, संगीत, उड्डयन जैसे विविधतापूर्ण क्षेत्र शामिल हैं और आपके जीवन के हर क्षेत्र में जुनूनी भावातिरेक झलकता है।